

मुख्यमंत्री ने बलौदाबाज़ार में डॉ. खूबचंद बघेल की प्रतमा का कथि अनावरण

चर्चा में क्यों?

20 मार्च, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बलौदाबाज़ार में छत्तीसगढ़ राज्य नरिमाण के प्रथम स्वप्नदृष्टा डॉ. खूबचंद बघेल की अष्टधातु से तैयार की गई सात फीट ऊँची प्रतमा का अनावरण कथि।

प्रमुख बदि

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बलौदाबाज़ार प्रवास के दौरान ज़िला मुख्यालय के गौरव पथ गार्डन में डॉ. खूबचंद बघेल की प्रतमा का अनावरण कथि।
- उन्होंने आदमकद प्रतमा की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रतमा के ज़रयि छत्तीसगढ़ की नई पीढ़ी छत्तीसगढ़ राज्य नरिमाण के स्वप्नदृष्टा के योगदान से परचिति होगी।
- इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने वपिर वाटकिा में आयोजति सर्व ब्राह्मण समाज के शपथ ग्रहण समारोह में बलौदाबाज़ार पॉलीटेक्निक कॉलेज का नामकरण पूर्व सांसद स्वर्गीय करुणा शुक्ला के नाम पर करने की घोषणा की।
- उल्लेखनीय है कि डॉ. खूबचंद बघेल का जन्म रायपुर ज़िले के पथरी गाँव में 19 जुलाई, 1900 को हुआ था। डॉ. बघेल महात्मा गांधी के वचिारों से काफी प्रभावति थे तथा सरकारी नौकरी छोड़कर 1930 में गांधीजी के आंदोलन से जुड़ गए थे।
- डॉ. बघेल ने कुप्रथा का जमकर वरिोध कथि। होली के दौरान कराए जाने वाले 'कसिबनि नाच' (kissbin dance) को बंद कराने के लयि उन्होंने सत्याग्रह कथि। इसके अलावा उन्होंने 'पंक्ति तोड़ो' आंदोलन चलाया। इस आंदोलन का उद्देश्य था 'कोई भी वयक्ति किसी के भी साथ एक पंक्ति में बैठकर भोजन कर सकता है, जाति के आधार पर अलग पंक्ति नहीं होनी चाहयि।'